चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 2.3.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 2-8

उपलब्धि

साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा गार्डनर सर्टिफिकेट कोर्स के उद्घाटन समारोह का आयोजन

हकृवि बना कृषि में सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान करने वाला पहला विश्वविद्यालय

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ऐसा पहला विश्वविद्यालय बन गया है, जो बेरोजगार युवाओं को कृषि विषयों में सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान करेगा। कौशल विकास कार्यक्रम बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं पर केंद्रित रहते हैं। विकास में भी वही देश आगे हैं, जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं।

यह बात एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कही। वे शुक्रवार को प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन माह के गार्डनर सर्टिफिकेट कोर्स के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। भारतीय कृषि कौशल परिषद के निदेशक कमल सोढ़ी समारोह में विशिष्ट अतिथि थे।

वीसी ने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है, जहां 18 से 35 साल के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा हकृवि ने एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य आरंभ किया है। उन्होंने कहा प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इससे वे अपने परिवार का पालन-पोषण करने के साथ देश में चल रही बेरोजगारी की समस्या को भी काफी हद तक कम कर सकेंगे। उन्होंने इस प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वह प्रशिक्षण के बाद भी हकृवि के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहें और उनसे मार्गदर्शन लेते रहें। इस अवसर पर कुलपति ने रेकोगनीशन प्रायर लर्निंग (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) के अंतर्गत खुंब उत्पादन विषय पर संपन्न हुए प्रथम प्रशिक्षण के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र देते मुख्य अतिथि। - अमर उजाला

19 विषयों में सर्टिफिकेट कोर्स

प्रशिक्षणों के माध्यम से मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉफ कल्टीवेटर, गेहूं कल्टीवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकर्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मैकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानीशियस क्रॉप कल्टीवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकर्ता, मृदा नमूने एकत्रित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे।

निजी संस्थाओं को पछाड़ा

विशिष्ट अतिथि कमल सोढ़ी ने भारतीय कृषि कौशल परिषद द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पाने वाला यह देश का पहला विश्वविद्यालय है। यह विश्वविद्यालय निजी संस्थाओं को पछाड़कर रेकोगनीशन प्रायर लर्निंग (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) प्राप्त करने में अग्रणी विश्वविद्यालय है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम हरि भूमि

दिनांक 2.3.2019 पृष्ठ सं. 13 कॉलम 6-8

हकृवि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में अग्रणी : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

- गार्डनर सर्टिफिकेट कोर्स के उद्घाटन समारोह का आयोजन

हिसार। प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देते मुख्य अतिथि।

हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रम विशेषकर बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं पर केंद्रित रहते है। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्चस्तर प्राप्त कर चुके हैं। कुलपति प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन माह के गार्डनर सर्टिफिकेट कोर्स के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा हकृवि ने एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य आरंभ किया है।

इसके अंतर्गत उन्हें मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉफ क्लटिवेटर, गेहूं क्लटिवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकर्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मेकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानीशियस क्रॉप क्लटिवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकर्त्ता, मृदा नमूने एकत्रित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टीफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से वह विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने इस प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वह प्रशिक्षण के उपरांत भी हकृवि के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहे और उनसे मार्गदर्शन लेते रहें। इस अवसर पर कुलपति ने रेकोगनीशन प्रायर लर्निंग के अंतर्गत खुम्ब उत्पादन विषय पर संपन्न हुए प्रथम प्रशिक्षण के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

भारतीय कृषि कौशल परिषद के निदेशक कमल सोढ़ी समारोह में विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने इस अवसर पर भारतीय कृषि कौशल परिषद द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस दिशा में हकृवि में जारी प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह उपलब्धि पाने वाला यह देश का पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय निजी संस्थाओं को पछाड़कर रेकोगनीशन प्रायर लर्निंग (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) प्राप्त करने में अग्रणी विश्वविद्यालय है।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने अतिथियों और प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह संस्थान किसानों और महिलाओं के लिए विभिन्न विषयों पर स्वरोजगार प्रशिक्षणों का आयोजन करता रहता है। सहनिदेशक का प्रशिक्षण डॉ. मंजु दहिया ने बताया कि किसी भी आयु के बेरोजगार युवक-युवतियां जिनमें काबलियत है, अपनी इच्छा अनुसार विषय चुन कर इस संस्थान में प्रशिक्षण ले सकते हैं। डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 2.3.2019 पृष्ठ सं. 11 कॉलम 3-6

उपलब्धि हकृवि बना बेरोजगार युवाओं को कृषि विषयों में सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान करने वाला पहला विश्वविद्यालय

कुलपति ने तीन माह के कोर्स का किया शुभारंभ

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रम विशेषकर बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं पर केंद्रित रहते हैं। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित गार्डनर सर्टिफिकेट कोर्स के शुभारंभ समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है, जहां 18 संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है।

कुलपति प्रो. केपी सिंह प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र देते हुए। • जागरण

हकृवि ने एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य शुरू किया है। इसके अंतर्गत उन्हे मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉफ क्लटिवेटर, गेहूं क्लटिवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्ता, उत्तम बीज उत्पादक जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे।

बेरोजगारी होगी कम

प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इससे वे अपने परिवार का पालन-पोषण करने के साथ-साथ देश में चल रही बेरोजगारी की समस्या को भी काफी हद तक कम कर सकेंगे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वह प्रशिक्षण के उपरांत भी हकृवि के विशेषज्ञों के साथ जुड़े रहे और उनसे मार्गदर्शन लेते रहें। इस अवसर पर कुलपति ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनाके अंतर्गत खुंब उत्पादन विषय पर संपन्न हुए प्रथम प्रशिक्षण के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 2.3.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-3

हकृवि बना बेरोजगार युवाओं को कृषि विषयों में सर्टीफिकेट कोर्स प्रदान करने वाला पहला वि.वि.

हिसार, 1 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि वि.वि. के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह ने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रम विशेषकर बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं पर केन्द्रित रहते है।

विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं। कुलपति प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत वि.वि. के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित 3 माह के गार्डनर सर्टीफिकेट कोर्स के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्यातिथि कहे। कुलपति ने रेकोगनीशन प्रायर लर्निंग (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) के अंतर्गत खुम्ब उत्पादन विषय पर संपन्न हुए प्रथम प्रशिक्षण के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। भारतीय कृषि कौशल परिषद के निदेशक कमल सोढ़ी समारोह में विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने इस अवसर पर भारतीय कृषि कौशल परिषद द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।

मुख्यातिथि प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र देते हुए।

उन्होंने इस दिशा में हरियाणा कृषि वि.वि. में जारी प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह उपलब्धि पाने वाला यह देश का पहला वि.वि. है। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा ने अतिथियों और प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह संस्थान किसानों और महिलाओं के लिए विभिन्न विषयों पर स्वरोजगार प्रशिक्षणों का आयोजन करता रहता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 2.3.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-3

एचएयू के वीसी ने गार्डनर सर्टिफिकेट कोर्स का किया उद्घाटन

बेरोजगारों को कृषि विषयों में सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान करने वाला एचएयू पहला विवि

एचएयू में आयोजित कौशल विकास कार्यक्रम में युवाओं को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र देते वीसी प्रो. केपी सिंह।

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रम विशेषकर बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं पर केन्द्रित रहते हैं। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं। कुलपति प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन माह के गार्डनर सर्टिफिकेट कोर्स के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है जहां 18 से 35 साल के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है। भारतीय कृषि कौशल परिषद के निदेशक कमल सोढ़ी समारोह में विशिष्ट अतिथि रहे। इस दौरान विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, सहनिदेशका प्रशिक्षण डॉ. मंजु दहिया, डॉ. सुरेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

इन कोर्सों का दिया जाएगा प्रशिक्षण

बेरोजगार युवाओं को मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉप क्लटिवेटर, गेहूं क्लटिवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकर्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मेकेनिक, जैविक खेती उत्पादक, सोलानीशियस क्रॉप क्लटिवेटर, कृषि विस्तार संचार कार्यकर्ता, मृदा नमूने एकत्रित करना तथा मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला विश्लेषण जैसे 19 विभिन्न कृषि विषयों में प्रशिक्षण व सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 1.3.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 3-5

हकृवि बना बेरोजगार युवाओं को कृषि विषयों में सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान करने वाला पहला विवि

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रम विशेषकर बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं पर केन्द्रित रहते हैं। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं।

कुलपति प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन माह के गार्डनर सर्टिफिकेट कोर्स के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है जहां 18 से 35 साल के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है।

उन्होंने कहा प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से वह विशेषकर वह युवा जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए, अपना लघु व्यवसाय शुरू करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने इस प्रशिक्षण में शामिल हुए प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वह प्रशिक्षण के उपरांत भी हकृवि के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेते रहें। इस अवसर

हिसार। मुख्य अतिथि प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र देते हुए।

पर कुलपति ने रेकोगनीशन प्रायर लर्निंग (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) के अंतर्गत खुम्ब उत्पादन विषय पर संपन्न हुए प्रथम प्रशिक्षण के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। भारतीय कृषि कौशल परिषद के निदेशक कमल सोढ़ी समारोह में विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने भारतीय कृषि कौशल परिषद द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पाने वाला हकृवि देश का पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय निजी संस्थाओं को पछाड़कर रेकोगनीशन प्रायर लर्निंग (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) प्राप्त करने में अग्रणी विश्वविद्यालय है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने कहा कि यह संस्थान किसानों और महिलाओं के लिए विभिन्न विषयों पर स्वरोजगार प्रशिक्षणों का आयोजन करता रहता है। सहनिदेशका प्रशिक्षण डॉ. मंजु दहिया ने कहा कि किसी भी आयु के बेरोजगार युवक-युवतियां जिनमें काबलियत है, अपनी इच्छा अनुसार विषय चुनकर इस संस्थान में प्रशिक्षण ले सकते हैं। डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने इस कार्यक्रम का संचालन किया

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम हैलो हिसार
दिनांक 1.3.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 5-7

हकृवि बना बेरोजगार युवाओं को कृषि विषयों में सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान करने वाला पहला विश्वविद्यालय

हिसार: 1 मार्च चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रम विशेषकर बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं पर केन्द्रित रहते है। विकास में भी वही देश आगे हैं जो कौशल में उच्च स्तर प्राप्त कर चुके हैं।

कुलपति प्रधानमंत्री विकास योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित तीन माह के गार्डनर सर्टिफिकेट कोर्स के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत युवाओं का देश माना जाता है जहां 18 से 35 साल के युवाओं की संख्या देश की कुल जनसंख्या का 65 प्रतिशत है। इन युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान करके उन्हें बेरोजगार होने से बचाया जा सकता है।

उन्होंने कहा हकृवि ने एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से बेरोजगार युवाओं, किसानों और महिलाओं को प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें कुशल और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य आरम्भ किया है। इसके अंतर्गत उन्हे मधुमक्खी पालन, माली, सहायक माली, नर्सरी प्रबंधक, फूलों की संरक्षित खेती, बल्ब क्रॉफ क्लटिवेटर, गेहूं क्लटिवेटर, मशरूम उत्पादक, कीटनाशी एवं उर्वरक प्रयोगकर्त्ता, उत्तम बीज उत्पादक, बीज प्रौद्योगिकी कार्यकर्त्ता, ट्रैक्टर संचालक, ट्रैक्टर मेकेनिक आदि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 1.3.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 3-7

कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए सांइस मॉडल, पोस्टर बनाना, भाषण व क्विज प्रतियोगिता आयोजित

हकृवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए कार्यक्रम में देश के विकास के लिए युवा पीढ़ी के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाए जाने का आह्वान किया गया।

विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कॉलेज द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ स्थानीय कालेजों और स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के बायोफिजिक्स विभाग के प्रोफेसर टीपी सिंह मुख्य अतिथि थे जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की के इंस्टीट्यूट इंस्ट्रूमैंटेशन सैंटर के प्रोफेसर रमेश चन्द्रा व जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर प्रविन्द्रा कुमार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे।

मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विज्ञान के

हिसार। कुलपति प्रो. केपी सिंह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

विद्यार्थियों से अपने अध्ययन क्षेत्र में नए आविष्कार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा यदि वह छोटा आविष्कार या डाटा प्राप्त करने में सफल होते हैं तो यह विज्ञान को उनका बहुत बड़ा योगदान होगा क्योंकि यह डाटा अध्ययन के नये रास्ते खोल सकता है। उन्होंने कहा भारतीय वैज्ञानिकों में बहुत क्षमता है और वह निरंतर नया ज्ञान सृजन कर रहे हैं।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि कभी संस्थान भाग्यशाली होते हैं जिन्हें प्रबुद्ध वैज्ञानिक प्राप्त होते हैं तो कभी वैज्ञानिक भाग्यशाली होते हैं जिन्हें विख्यात संस्थान में कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है। लेकिन वैज्ञानिकों को पूरी निष्ठा से अपना कार्य करते रहना चाहिए। उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में हो रही प्रगति का उदाहरण देते हुये कहा कि पिछले 50 वर्ष मानव मशीन बनाने में जबकि आगामी 50 वर्ष मशीन को मानव बनाने पर कार्य होगा। उन्होंने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियों तथा यहां के वैज्ञानिकों के उत्साह और कर्त्तव्य निष्ठा का भी उल्लेख किया।

प्रो. प्रविन्द्रा कुमार ने विद्यार्थियों से बिना समय गंवाए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इससे वह प्रत्येक लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। प्रो. रमेश चन्द्रा ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं की विज्ञान में रूचि जागृत करना है। उन्होंने युवा वैज्ञानिकों से नये आविष्कारों के लिए नव प्रर्वतनकारी विधियां अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के लिए सांइस मॉडल, पोस्टर बनाना, भाषण व क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। उपरोक्त अतिथियों ने इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम [illegible]
दिनांक 1.3.2019 पृष्ठ सं. 8 कॉलम 1-4

अपने अध्ययन के क्षेत्र में आविष्कार करें विद्यार्थी : टीपी

हिसार, 1 मार्च (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए कार्यक्रम में देश के विकास के लिए युवा पीढ़ी के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाए जाने का आह्वान किया गया।

विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कालेज द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ स्थानीय कालेजों और

हकृवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

स्कूलों के विद्यार्थियों ने भारी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के बायोफिजिक्स विभाग के प्रोफेसर टीपी सिंह मुख्य अतिथि थे जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की के इंस्टीट्यूट इंस्ट्रूमेंटेशन सैंटर के प्रोफेसर रमेश चन्द्रा व जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर प्रविन्द्रा कुमार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे।

मुख्य अतिथि डॉ. टीपी सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये विज्ञान के विद्यार्थियों से अपने अध्ययन क्षेत्र में नये आविष्कार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा यदि वह छोटा आविष्कार या डाटा प्राप्त करने में सफल होते हैं तो यह विज्ञान को उनका बहुत बड़ा योगदान होगा क्योंकि यह डाटा अध्ययन के नये रास्ते खोल सकता है।

उन्होंने कहा भारतीय वैज्ञानिकों में बहुत क्षमता है और यह निरंतर नया ज्ञान सृजन कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय वैज्ञानिकों और उनके महत्वपूर्ण आविष्कारों का उल्लेख किया और कहा कि किसी भी देश की मुख्य ताकत उसकी अर्थव्यवस्था और ज्ञान है जिनको सुदृढ़ बनाने में वैज्ञानिक महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने इस अवसर पर प्रोटीन एन्टीबायोटिक्स एस नेक्स्ट जनरेशन वेपन अगेंस्ट इनवेडिंग बैक्टीरिया विषय पर मुख्य संभाषण दिया जिसमें उन्होंने रोगों की उत्पत्ति में कमजोर प्रतिरोधक क्षमता पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि कभी संस्थान भाग्यशाली होते हैं जिन्हें प्रबुद्ध वैज्ञानिक प्राप्त होते हैं तो कभी वैज्ञानिक भाग्यशाली होते हैं जिन्हें विख्यात संस्थान में कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है। लेकिन वैज्ञानिकों को पूरी निष्ठा से अपना कार्य करते रहना चाहिए। उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में हो रही प्रगति का उदाहरण देते हुये कहा कि पिछले 50 वर्ष मानव मशीन बनाने में जबकि आगामी 50 वर्ष मशीन को मानव बनाने पर कार्य होगा। उन्होंने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियों तथा यहां के वैज्ञानिकों के उत्साह और कर्तव्य निष्ठा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा यहां के वैज्ञानिक और विद्यार्थी नवपरिवर्तनकारी तकनीकों को विकसित करने और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों के साथ सहयोग को बढ़ा रहे हैं।

प्रो. प्रविन्द्रा कुमार ने विद्यार्थियों से बिना समय गंवाए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इससे वह प्रत्येक लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। प्रो. रमेश चन्द्रा ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं की विज्ञान में रुचि जागृत करना है। उन्होंने युवा वैज्ञानिकों से नये आविष्कारों के लिए नवप्रर्वतनकारी विधियां अपनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व बेसिक साइंस कालेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में एचएयू साइंस फॉरम के सचिव डॉ. पाल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के लिए साइंस मॉडल, पोस्टर बनाना, भाषण व क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। उपरोक्त अतिथियों ने इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..नभ छोर..........

दिनांक ..1.3.2019.. पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ...2-4...

भारतीय वैज्ञानिक निरंतर नया ज्ञान सृजन कर रहे हैं: सिंह

हिसार/01 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए कार्यक्रम में देश के विकास के लिए युवा पीढ़ी के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाए जाने का आह्वान किया गया। विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कॉलेज द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के साथ स्थानीय कॉलेजों और स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के बायोफिजिक्स विभाग के प्रोफेसर टीपी सिंह मुख्य अतिथि थे जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने अध्यक्षता की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की के इंस्टीट्यूट इंस्ट्रूमेंटेशन सैंटर के प्रोफेसर रमेश चन्द्रा व जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर प्रविन्द्रा कुमार इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। मुख्य अतिथि डॉ. टीपी सिंह ने विज्ञान के विद्यार्थियों से अपने अध्ययन क्षेत्र में नये आविष्कार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा यदि वह छोटा आविष्कार या डाटा प्राप्त करने में सफल होते हैं तो यह विज्ञान को उनका बहुत बड़ा योगदान होगा क्योंकि यह डाटा अध्ययन के नये रास्ते खोल सकता है। उन्होंने कहा भारतीय वैज्ञानिकों में बहुत क्षमता है और वह निरंतर नया ज्ञान सृजन कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय वैज्ञानिकों और उनके महत्वपूर्ण आविष्कारों का उल्लेख किया और कहा कि किसी भी देश की मुख्य ताकत उसकी अर्थव्यवस्था और ज्ञान है जिनको सुदृढ़ बनाने में वैज्ञानिक महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने इस अवसर पर प्रोटीन एन्टीबायोटिक्स एस नेक्स्ट जनरेशन वेपन अगेंस्ट इनवेडिंग बैक्टीरिया विषय पर मुख्य संभाषण दिया जिसमें उन्होंने रोगों की उत्पत्ति में कमजोर प्रतिरोधक क्षमता पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि कभी संस्थान भाग्यशाली होते हैं जिन्हें प्रबुद्ध वैज्ञानिक प्राप्त होते हैं तो कभी वैज्ञानिक भाग्यशाली होते हैं जिन्हें विख्यात संस्थान में कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है। लेकिन वैज्ञानिकों को पूरी निष्ठा से अपना कार्य करते रहना चाहिए। उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में हो रही प्रगति का उदाहरण देते हुये कहा कि पिछले 50 वर्ष मानव मशीन बनाने में जबकि आगामी 50 वर्ष मशीन को मानव बनाने पर कार्य होगा। उन्होंने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की उपलब्धियों तथा यहां के वैज्ञानिकों के उत्साह और कर्तव्य निष्ठा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा यहां के वैज्ञानिक और विद्यार्थी नवपरिवर्तनकारी तकनीकों को विकसित करने और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थानों के साथ सहयोग को बढ़ा रहे हैं। प्रो. प्रविन्द्रा कुमार ने विद्यार्थियों से बिना समय गंवाए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इससे वह प्रत्येक लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। प्रो. रमेश चन्द्रा ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं की विज्ञान में रुचि जागृत करना है। उन्होंने युवा वैज्ञानिकों से नये आविष्कारों के लिए नवप्रर्वतनकारी विधियां अपनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व बेसिक साइंस कॉलेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में एचएयू साइंस फॉरम के सचिव डॉ. पाल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के लिए सांइस मॉडल, पोस्टर बनाना, भाषण व क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। उपरोक्त अतिथियों ने इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।